उपलब्धि

यूपी में सेल्फ मेड कारोबारी, आईआईटी कानपुर और नोएडा की बड़ी भूमिका

आईआईटी कानपुर ने रचा इतिहास, 16 उद्यमी दिए

अभिषेक गुप्ता

लखनऊ। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और हुरुन इंडिया की टॉप 200 सेल्फ-मेड एंटरप्रेन्योर्स ऑफ द मिलेनिया 2025 रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश का प्रभावशाली योगदान सामने आया है। आईआईटी कानपुर ने 16 स्व-निर्मित उद्यमी देकर देश के शीर्ष अंडरग्रेजुएट संस्थानों में स्थान बनाया। वहीं नोएडा सात कंपनियों के मुख्यालय के साथ प्रमुख शहरों में शामिल है, जहां पेटीएम जैसी फिनटेक दिग्गज कंपनी स्थित है। यह उपलब्धि राज्य की तकनीकी और उद्यमिता क्षमता को दर्शाती है।

टॉप 200 सेल्फ-मेड एंटरप्रेन्योर्स ऑफ इंडिया रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश का तकनीकी शिक्षा क्षेत्र चमका है। आईआईटी कानपुर ने 16 प्रमुख उद्यमियों को जन्म दिया, जो इसे अंडरग्रेजुएट संस्थानों में टॉप 5 में स्थापित करता है। कुल 406 संस्थापकों में यह योगदान उत्तर प्रदेश को उद्यमिता मानचित्र पर मजबूत बनाता है।

रिपोर्ट के अनुसार, आईआईटी कानपुर के दिग्गजों में इंटरग्लोब एविएशन के राकेश गंगवाल (टॉप 3 में) प्रमुख हैं, जिनकी कंपनी की वैल्यू 2.19 लाख करोड़ रुपये है। अन्य नामों में मोहित टंडन और वरुण खेतान शामिल हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय हैं। उत्तर प्रदेश में आईआईटी कानपुर का 16 संस्थापकों वाला रिकॉर्ड राज्य के योगदान को उजागर करता है। साथ ही, नोएडा टॉप मुख्यालय शहरों में सातवें स्थान पर है, जहां पेटीएम जैसी सात कंपनियां स्थित हैं।

नोएडा का मुख्यालयीय दबदबा

नोएडा में विजय शेखर शर्मा की पेटीएम (72,900 करोड़ वैल्यू) टॉप 10 में शामिल है, जो फिनटेक क्रांति का प्रतीक है। यह कंपनी डिजिटल पेमेंट्स और बीएनपीएल सेवाओं में अग्रणी है। रिपोर्ट में यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली (24 संस्थापक) और आईआईटी खड़गपुर (21) जैसे निकटवर्ती संस्थान भी प्रभावशाली हैं, लेकिन आईआईटी कानपुर उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ाता है। कुल कंपनियों की वैल्यू 42 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें नोएडा का हिस्सा महत्वपूर्ण है। यह रिपोर्ट बताती है कि उत्तर प्रदेश शिक्षा के बल पर उद्यमिता में उभर रहा है, हालांकि स्थायी निवासी उद्यमियों में बेंगलुरु (88) और मुंबई (83) आगे हैं।